पेरिस में कामशास्त्र की क्लास-1

“मेरे प्यारे मित्रो एवं सहेलियों, एक लम्बे अंतराल के बाद आप लोगों से मिलना हो रहा है, आप सबको मेरा प्यार भरा नमस्कार। मेरा नाम विक्की है व इससे पूर्व... [Continue Reading] ...”

Story By: (vikky0099)
Posted: गुरूवार, जुलाई 21st, 2011
Categories: कोई मिल गया
Online version: पेरिस में कामशास्त्र की क्लास-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पेरिस में कामशास्त्र की क्लास-1

मेरे प्यारे मित्रो एवं सहेलियों, एक लम्बे अंतराल के बाद आप लोगों से मिलना हो रहा है, आप सबको मेरा प्यार भरा नमस्कार।

मेरा नाम विक्की है व इससे पूर्व आप अन्तर्वासना.कॉम पर आपने मेरी दो आप-बीती कहानियाँ
“हवाई जहाज में चुदाई”
और
इस्तान्बुल में शिप पर चुदाई बहुत सराही।

उस समय मैंने आपसे वादा किया था कि मैं इस्तान्बुल में बिछुड़ने के बाद, अगली गर्मियों में अपनी क्रिस्टीना से हुई मुलाकात का वर्णन आप तक पहुँचाऊँगा। हालांकि मेरी पेरिस की इस सेक्सी यात्रा का विवरण मैंने आधा-अधूरा लिख रखा था कि उसी दौरान मुझे कम्पनी के काम से नेपाल जाना पड़ा और काठमाण्डू के नजदीक पहाड़ों में हुई एक दुर्घटना में मैं मौत के मुँह में जाते जाते बचा। उस खतरनाक हादसे से मैं सिर्फ भगवान के आशीर्वाद व आप लोगों की दुआओं के कारण सही सलामत निकल पाया। फिर एक लम्बे समय तक आराम करने के बाद जब ठीक हुआ, तो फिर रोजी-रोटी के चक्कर में अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ा। अत: आप लोगों से मिलने का समय ही नहीं निकाल पाया। किन्तु आप लोगों के लगातार आने वाले ई-मेलों नें मेरी क्रिस्टीना से पेरिस में हुई मुलाकात को आप लोगों तक पहुँचाने के लिये प्रोत्साहित किया।

सबसे पहले मैं अन्तर्वासना.काम के नये पाठकों को पूर्व में हुई घटना को संक्षिप्त में दोहरा देता हूँ। मैंने इन्जिनियरिंग करने के बाद कई पापड़ बेले व अनेकों जूते घिसने के बाद एक अंतरराष्ट्रीय कम्पनी के मार्केटिंग विभाग में पहुँच पाया हूँ। मेरे काम से मेरे उच्च

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अधिकारी खुश हैं व कम्पनी के मार्केटिंग से सम्बन्धित काम के कारण मुझे दुनिया भर में चक्कर लगाने होते हैं। जीवनयापन के लिये चुने गये इस काम से मैं भी बहुत सतुष्ट हूँ क्योंकि इस बहाने मुझे सारी दुनिया मुफ्त में घूमने का मौका मिलता है। मैं अब तक लगभग 40 देशों में घूम चुका हूँ।

एक बार मैं अपनी कम्पनी के काम से बर्लिन जा रहा था तो नई दिल्ली के इन्दिरा गांधी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट पर मेरी मुलाकात एक फ्रेंच सुन्दरी क्रिस्टीना से हुई जो मेरे ही साथ टर्किश एयर लाईन्स की फ्लाईट से इस्तान्बुल तक साथ जा रही थी। जहाँ से हम दोनों को अपने अपने गंतव्य के किये फ्लाईट बदलना थी। मैंने किसी तरह जुगाड़ कर उसकी बगल वाली सीट ले ली व उससे दोस्ती गांठ ली। एयरपोर्ट पर मैंने उसे काफी पिलाकर एक कामसूत्र की किताब गिफ्ट देकर उसे पटाया व फिर उसके बाद हवाई जहाज में टायलेट में ले जाकर चोदा जो मेरी जिन्दगी के यादगार पल बन गये। मेरी यह घटना अन्तर्वासना.कॉम पर आपने “हवाई जहाज में चुदाई” के नाम से पढ़ी थी।

फिर आठ घंटे की इस यादगार फ्लाईट से इस्तान्बुल पहुंचने के बाद मुझे तो दो दिन वही रुककर फिर आगे बर्लिन जाना था। पर क्रिस्टीना की तो कुछ ही देर बाद पेरिस की फ्लाईट थी। किन्तु हम दोनों का बिछुड़ने का मन नहीं हो रहा था, अत: उसने भी दो दिन मेरे साथ ही इस्तान्बुल में बिताने का निर्णय लिया। वह मेरे ही साथ होटल में रुक गई। शाम को हम एक शिप पर डिनर के लिये गये, उस दौरान बेली डांसर के साथ हमने भी डांस किया व तभी हम दोनों के तन-बदन में वासना की आग भड़क उठी, तो मैंने शिप के कप्तान से कहा कि मेरे दोस्त की तबियत खराब है, वह थोड़ी देर आराम करना चाहती है, का बहाना बनाते हुए एक रूम की चाभी मांग ली। फिर शिप के उस एकांत कमरे में हमने चुदाई का आनन्द लिया। इस्तान्बुल में मजे करने के बाद अंत में विदाई की क्रुर बेला आ ही गई। क्रिस्टीना के साथ दिल्ली से इस्तान्बुल के सफर में साथ बिताये वह दो दिन मात्र दो मिनट की तरह खत्म हो गये व वह अंत में पेरिस चली गई और फिर मैं बर्लिन। हमने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोबारा मिलने का वादा करते हुए विदाई ली। यहाँ तक किस्सा आप सभी ने अन्तर्वासना.कॉम पर "इस्तान्बुल में शिप पर चुदाई" के नाम से पढ़ा था।

नये पाठकों की जानकारी के लिये मैं क्रिस्टीना के फिगर के बारे में आपको एक बार फिर से बतला देता हूँ। वह इतनी खूबसूरत थी जैसे कोई माडल हो, उम्र लगभग तीस वर्ष, एकदम संगमरमरी गौरी चमड़ी, जैसे नाखून गड़ा दो तो खून टपक जायेगा, ब्लांड (सर पर सुनहरे लम्बे बाल), अप्सराओं जैसा अत्यन्त खूबसूरत चेहरा, बड़ी-बड़ी नीली आँखें जिनमें डूबने को दिल चाहे, तीखी नाक, धनुषाकार सुर्ख गुलाबी रंगत लिये हुए होंठ, अत्यन्त मनमोहक मुस्कान जो सामने वाले को गुलाम बना दे, लम्बाई लगभग पांच फीट छह इंच, टाईट जींस, लो कट टाप जिसमें वक्षरेखा साफ दिख रही थी। ओह क्षमा करें, मैं खास बात तो बताना ही भूल गया कि उसके स्तन 34, कमर 26 और चूतड़ 36 ईंची थे।

इन सब बातों का सारांश यह निकलता था कि उसे पहली बार देखने पर किसी भी साधु सन्यासी का लण्ड भी दनदनाता हुआ खड़ा होकर फुंफकारे मारने लगे। सोने पर सुहागा यह कि वह एक शानदार जिस्म की मालिक होने के साथ साथ इंटेलिजेंट भी थी क्योंकि उसका सामान्य ज्ञान बहुत अच्छा था।

फिर बर्लिन का काम पूरा होने के बाद मेरी तो इच्छा हुई कि क्रिस्टीना से मिलने के लिये पेरिस चला जाऊँ क्योंकि वह बड़े प्यार से बुला रही थी किन्तु किसी की गुलामी करते हुए यह स्वन्त्रता नहीं होती है कि अपनी मर्जी से नौकरी से बहुत ज्यादा छुट्टियाँ ले सको, अत: मन मसोसकर फिर भारत लौट आया।

हालांकि क्रिस्टीना व मैं उसके बाद लगातार सम्पर्क में रहे। मित्रों यह इन्टरनेट वाकई में कमाल की चीज है, ई-मेल, वीडियो चैटिंग, स्काईपी आदि ने पूरी दुनिया को बहुत छोटा कर दिया है। अब देखिए ना आप सब भी दुनिया के कोने कोने में बिखरे हैं, लेकिन आप हम सब इसी इन्टरनेट के माध्यम से अन्तर्वासना.कॉम पर एक साथ मिल गए हैं। इसी प्रकार

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नेट पर क्रिस्टीना व मैं अकसर मिलते रहते थे। मौका मिलता तो नेट-चोदन भी कर लेते, पर उससे मन तो नहीं भरता है, क्योंकि असल चुदाई की बात ही अलग होती है।

फिर गर्मियाँ आ गई, क्रिस्टीना से मेरे मिलने की घड़ीं नजदीक आने लगी। जून में मुझे कम्पनी के काम से ज्युरिख, एम्सटर्डम व फ्रेन्कफर्ट जाना था, पर इस ट्रिप पर मेरे साथ मेरे बॉस भी साथ जा रहे थे, जो मुझे कम्पनी के कुछ पुराने क्लाईंट्स से मिलाना चाह रहे थे, इसलिये उनका मेरे साथ जाना जरूरी था। हालांकि मेरी इच्छा थी कि वे साथ नहीं आयें, क्योंकि मुझे डर था कि वे क्रिस्टीना से मिलने के प्रोग्राम में रंग में भंग ना कर दें। पर मैं चाह कर भी उन्हें टरका नहीं सकता था। अत: मैंने सोचा कि काम पूरा हो जाने के बाद उन्हें भारत रवाना कर दूँगा, फिर मैं पेरिस के लिये चला जाऊँगा।

हालांकि ऐसा करने में मुझे बहुत मशक्कत करना पड़ी क्योंकि यह बॉस नाम का जीव अपने अधीनस्थ को इसलिये साथ रखता है कि रास्ते भर उसे सर-सर कह कर उन्हें मक्खन चमचागिरी करता रहे। जरुरत पड़ने पर उनके अंडकोष उठा-उठा कर घूमता रहे, उनका सामान भी उठाये, फिर उसके खाने-पीने का इन्तजाम करे, अत: कोई बॉस नहीं चाहता है कि उनका नौकर अधूरी यात्रा में साथ छोड़कर चला जाये। इसी प्रकार हर बॉस की तरह मेरे बॉस भी चाहते थे कि मेरे जैसा आज्ञाकारी नौकर उनका साथ छोड़कर ना जाये ताकि यात्रा के दौरान उन्हें कोई समस्या का सामना करना पड़े।

चूंकि मैं अपने बॉस का बहुत सम्मान करता हूँ, अत: मैंने सोचा कि उन्हें मेरे अनुपस्थिति में कोई तकलीफ ना उठानी पड़े इसलिये मैंने यह तय किया कि इस बार मैं लुफ्थहंसा एयरलाईंस से यूरोप जाऊँगा ताकि आफिस का काम पूरा होने पर हमारे अंतिम पड़ाव फ्रेन्कफर्ट से मैं उन्हें सीधे नई दिल्ली वाली फ्लाईट में बिठा दूंगा, और वे निर्विघ्न भारत लौट सकें।

अब मुझे उन्हें मनाना था कि वे मुझे फ्रेन्कफर्ट से कुछ दिनों के लिये पेरिस जाने के लिये

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

छुट्टियाँ प्रदान कर दें। पर मुझे कारण बतालाना जरुरी था कि मैं पेरिस क्यों जाना चाहता हूँ। पेरिस घूमने जाने का बहाना भी नहीं चलता क्योंकि मैं पहले भी चार बार कम्पनी के काम से जा चुका था। मैं उनसे क्रिस्टीना वाली बात तो हरगिज नहीं बतला सकता था क्योंकि वे मेरे पिताजी जैसे थे। अत: मैंने उन्हें बताया कि मैं अपने एक कजिन के साथ छुट्टियाँ बिताने जाना चाहता हूँ। थोड़ी ना-नकुर के बाद मेरे समझाने पर वे मान गये।

अंतत: वह समय आ ही गया जब हमने निर्विघ्न अपनी यूरोप की आफिशियल यात्रा सम्पन्न कर ली व मैंने फ्रेन्कफुर्ट से सकुशल अपने बॉस को नई दिल्ली जाने वाली फ्लाईट में बिठा दिया और अगले दिन सुबह वाली ट्रेन से पेरिस के लिये रवाना हो गया।

चूंकि फ्रेन्कफुर्ट व पेरिस की दूरी मात्र 500 किलोमीटर ही है व ट्रेन से का सफर लगभग चार घंटे का ही है। मैंने ट्रेन का सफर इसलिये चुना कि ट्रेन प्लेन के मुकाबले सस्ती है, क्योंकि आगे की यात्रा का सारा खर्च मुझे ही वहन करना था।

मैं दोपहर में एक बजे पेरिस के एक मुख्य रेलवे स्टेशन पेरिस ईस्ट या फ्रेन्च में “गारे दि लिस्ट” पहुंच गया।

क्रिस्टीना वहाँ प्लेट्फार्म पर मेरा इन्तजार कर रही थी, जैसे ही उसने मुझे देखा तो वह मेरी बाहों में आ गई, शायद हिन्दुस्तान होता तो सब लोग आश्चर्य से देखते किन्तु पश्चिमी देशों में पब्लिक प्लेस पर यह नजारा आम है। दिक्कत यह है कि हम हिन्दुस्तानियों को सबसे ज्यादा चिन्ता अपने पड़ोसियों की ही रहती है, इस चक्कर में हम अपने घर का ध्यान रखना ही भूल जाते हैं।

आज क्रिस्टीना गजब ढा रही थी, क्योंकि जब पहले देखा तब सर्दियाँ थीं, तब उसने पूरे कपड़े पहन रखे थे, किन्तु अब तो गर्मियाँ शुरु हो चुकी थी। अत: उसने बेहद कम कपड़े पहने थे। एक डेनिम की मिनी स्कर्ट जिसमें उसकी पूरी चिकनी टांगें दिख रही थी, ऊपर से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने सफ़ेद रंग का एक टाप पहना था जिसमें उसके स्तन आधे दिख रहे थे। अंदर की अंगिया भी सफ़ेद ही थी, पर उसके बनने में इतने कम कपड़े का इस्तेमाल हुआ था कि वह उसके 34 इन्च के अपने उन्नत पयोधरों को ढकने में नाकामयाब हो रही थी, इससे तो उसका ना होना ही ठीक था।

मैंने मन ही मन सोचा कि यह काम शायद वह मुझसे ही कराना चाह रही हो। उसके खुले सुनहरे लम्बे बाल तो कयामत लग रहे थे। ऊपर से उसने जो गहरे रंग के सन ग्लासेस लगा रखे थे, उससे वह किसी फिल्म स्टार से कम नहीं लग रही थी। सच कहूँ तो मैं तो उसके पासंग में भी नहीं ठहर पा रहा था। मुझे लग रहा था कि शायद गधा गुलाबजामुन खाने जा रहा है।

फिर कार से लगभग एक घंटे के सफर के बाद हम उसके अपार्टमेन्ट तक पहुँच गये जो यह शहर के बाहरी हिस्से में है लेकिन एक खूबसूरत जगह में था। उस जगह की प्राकृतिक खूबसूरती क्रिस्टीना के आर्टिस्ट मन को भाने वाली थी। गर्मियों में वैसे भी पेरिस की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं, और ऊपर से क्रिस्टीना जैसी खूबसूरत बाला का साथ हो तो फिर क्या कहने।

रास्ते भर मैं अपने आप को संयत रखे रखा, कारण पेरिस बहुत भीड़ भाड़ वाला महानगर है, इसलिये मैं नहीं चाहता था कि मेरी किसी हरकत से क्रिस्टीना का मन ड्राईविंग से भटके व कोई दुर्घटना हो जाये।

अंत में हम उसके अपार्टमेंट में दाखिल हुए जो छोटा मगर बहुत अच्छा सजा हुआ था, उसमें एक ड्राईंगरूम, एक बेडरूम व एक छोटी रसोई व बाथरूम था। ड्राईंग रूम के ही एक कोने में उसने अपनी पेंटिंग्स बनाने के लिये कुछ जगह घेर रखी थी। वह एक आर्टिस्ट थी जो पेंटिंग्स बनाकर आर्ट डीलर्स को बेचती थी। वह साथ ही कुछ पब्लिशिंग कम्पनियों के लिये भी बतौर आर्टीस्ट काम करती थी। वैसे भी पेरिस आर्टिस्टों के लिये मक्का के समान

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पवित्र है, अत: कुल मिलाकर उसका जीवन अच्छा गुजर रहा था, बस कमी थी तो किसी पुरुष की।

क्रिस्टीना वैसे तो फ्रांस के दक्षिणी हिस्से की रहनी वाली थी, पर पढ़ाई के लिये पेरिस आई थी व बाद में जॉब के कारण वहीं रुक गई थी। अभी तो वह यहाँ अकेली ही रहती है, उसके परिवार वाले तो उसके पैतृक गांव में ही रहते थे, जहाँ उनके अंगूर के बाग थे। वह पेरिस में पहले अपने किसी सहपाठी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में लम्बे समय तक रही थी। बाद में मनमुटाव के कारण उसका बाय फ्रेंड उसे छोड़ कर चला गया। मैंने उससे इस विषय में ज्यादा नहीं पूछा क्योंकि मैं उसका दिल नहीं दुखाना चाहता था।

जैसे ही हम घर में दाखिल हुए, दोनों बेसब्री से एक दूसरे के गले लग गये और बदन टटोलने लग गये। फिर पता ही नहीं चला कि हम दोनों के कपड़े कब शरीर से अलग हो गये। अंत में शुरु हुआ दुनिया का सबसे पुराना खेल- पलंग पोलो जिसे आदि-मानव के जमाने से खेला जा रहा है। यह दुनिया एक मात्र खेल है जिसमें दोनों खिलाड़ी जीतते हैं, अगर कोई हार भी जाता है तो भी वह कुछ ना कुछ हासिल कर खुश ही रहता है।

कहानी जारी रहेगी।

vikky0099@gmail.comwww.facebook.com/vikky.kumar.1000

प्रकाशित : 22 अप्रैल 2013

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Aflam Porn

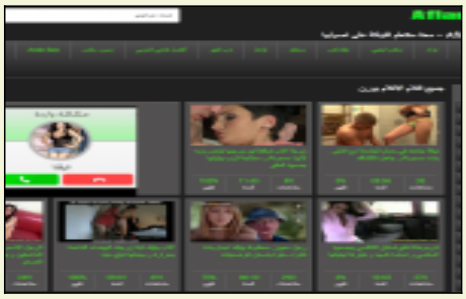

URL: www.aflamporn.com **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Kirtu

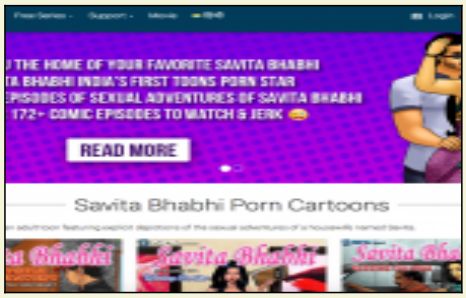

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Tanglish Sex Stories

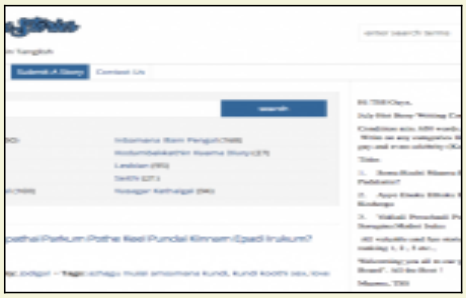

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire